भारत-कनाडा संबंध

प्रिलिम्स के लिये:

वयापक आरथिक भागीदारी समझौता (CEPA), राष्ट्रमंडल, G20, अंतरिक्ष सहयोग

मेन्स के लिये:

द्विपक्षीय संबंध, भारत-कनाडा, व्यापार समझौते और करार, बहुपक्षीय संस्थाएँ, सुरक्षा और विकास।

स्रोत: बिज़िनेस स्टैण्डर्ड

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कनाडा में एक खालिस्तानी नेता की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

भारत-कनाडा संबंधों में हाल की घटनाएँ क्या हैं?

- **निज्जर की हत्या: ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी नेता** हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि इसमें भारतीय अधिकारी शामिल थे, जिसे भारत ने **स्पष्ट रूप से "निराधार"** बताकर अस्वीकार किया है।
- **राजनयिक परिणाम:** राजनयिक संबंधों में गिरावट आने के साथ दोनों देशों ने **एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है** और **वाणिज्य दूतावास सेवाएँ** स्थगित कर दी हैं।
- **फाइव आईज़ एलायंस से समर्थन:** कनाडा ने गंभीर आरोपों को लेकर भारत के साथ बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच अंतर्राष्ट्रीय समर्थन हासिल करने के लिये **फाइव आईज़ खुफिया गठबंधन** की मदद ली है।

फाइव आईज़ एलायंस क्या है?

- **परिचय:**
  - फाइव आईज़ एक खुफिया गठबंधन है जिसमें **ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका** जैसे देश शामिल हैं।
  - ये देश बहुपक्षीय **UK-USA समझौते के पक्षकार हैं, जो सिग्नल इंटेलिजेंस** में संयुक्त सहयोग के लिये एक संधि है।
- **विशेषताएँ:**
  - ये साझेदार देश सहयोग के एक भाग के रूप में **विश्व के सबसे सुदृढ़ बहुपक्षीय समझौतों** में से एक के अंतर्गत व्यापक स्तर की खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं।
  - अपनी स्थापना के बाद से इस एजेंसी ने बाद में अपने मुख्य समूह को **'नाइन आइज़' और 14 आइज़ गठबंधनों तक विस्तारित किया तथा** सुरक्षा साझेदारों के रूप में और अधिक देशों को इसमें शामिल किया।
    - 'नाइन आइज़' समूह में **नीदरलैंड, डेनमार्क, फ्राँस और नॉर्वे शामिल हैं** जबकि 14 आइज़ समूह में **बेल्जियम, इटली, जर्मनी, स्पेन और स्वीडन** शामिल हैं।

भारत-कनाडा संबंध के प्रमुख क्षेत्र कौन से हैं?

- **राजनीतिक संबंध:**
  - भारत और कनाडा ने **वर्ष 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किये।** दोनों राष्ट्र लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकारों, विधि के शासन और बहुलवाद को महत्त्व देते हैं।

- **दोनों देश** राष्ट्रमंडल, G20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर **जलवायु परिवर्तन**, सुरक्षा और सतत् विकास जैसे वैश्विक मुद्दों पर सहयोग करते हैं।
- **आर्थिक सहयोग:**
  - भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार **वर्ष 2023 में 9.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था** जिसमें कनाडा भारत में **18वाँ सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा, जिसने** अप्रैल 2000 से मार्च 2023 तक लगभग **3.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है।**
  - **व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA)** के लिये चल रही वार्ता का उद्देश्य वस्तुओं, सेवाओं, निवेश और व्यापार सुविधा में व्यापार को शामिल करके आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है।
- **प्रवासी संबंध:**
  - कनाडा में **भारतीय मूल के 1.6 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं** जिनमें लगभग **700,000 अनिवासी भारतीय (NRIs) शामिल हैं, जो इसे** विश्व स्तर पर सबसे बड़े **भारतीय प्रवासियों वाले देश** में से एक बनाता है।
  - प्रवासी समुदाय सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आर्थिक गतिविधियों और द्विपक्षीय संबंधों में काफी योगदान देते हैं जिससे दोनों देशों के बीच मज़बूत सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा मिलता है।
- **शिक्षा और अंतरिक्ष नवाचार:**
  - स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, जैव प्रौद्योगिकी और अपशिष्ट प्रबंधन में संयुक्त अनुसंधान पहल को **IC-IMPACTS** जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है।
  - अंतरिक्ष सहयोग में **ISRO** और **कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी** के बीच समझौते शामिल हैं, जिसमें ISRO द्वारा कनाडाई उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण भी शामिल है।
  - दोनों के बीच शैक्षिक आदान-प्रदान महत्त्वपूर्ण हैं। कनाडा की अंतर्राष्ट्रीय छात्र आबादी में भारतीय छात्रों की संख्या**लगभग 40% है,** जिससे सांस्कृतिक विविधता बढ़ रही है।
  - वर्ष 2010 में हस्ताक्षरित परमाणु **सहयोग समझौता (जो वर्ष 2013 से प्रभावी हुआ)** यूरेनियम आपूर्ति को सक्षम बनाता है तथा निगरानी के लिये एक संयुक्त समिति की स्थापना का प्रावधान करता है।
- **सामरिक महत्व:**
  - **भारत,** कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो **कनाडाई अर्थव्यवस्था** के विविधीकरण में सहायक होने के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता को बढ़ावा देता है।
  - **दोनों के बीच समुद्री सुरक्षा**, **आतंकवाद-रोकथाम** **और** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने पर सहयोग है।

व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA) क्या है?

- यह एक प्रकार का **मुक्त व्यापार समझौता** है, जिसमें सेवाओं और निवेश में व्यापार तथा आर्थिक साझेदारी के अन्य क्षेत्रों में समन्वय शामिल है।
- **इसके तहत व्यापार सुविधा और सीमा शुल्क सहयोग, प्रतिस्पर्द्धा और IPR** जैसे क्षेत्रों में समन्वय भी होता है।
- साझेदारी समझौते या सहयोग समझौते **मुक्त व्यापार समझौतों** की तुलना में अधिक व्यापक होते हैं।
- CEPA के तहत व्यापार के नियामक पहलू पर विचार करने के साथ नियामक मुद्दों को शामिल करने वाला समझौता भी होता है।

//

INDIA AND CANADA, IN NUMBERS

Canada accounts for just 0.56% of the total FDI in India.

DPIIT data show total FDI equity inflow between April 2000 to June 2023 was $645,386.0884 mn, of which only $3,642.5243 mn came from Canada.

But Canada is home to 5.26% of overseas Indians

Of the 3,21,00,340 overseas Indians, 5.26% (16,89,055) are in Canada, including 1,78,410 NRIs and 15,10,645 PIOs, according to MEA data.

And every 7th Indian student abroad is in Canada

In 2022, of the estimated 13,24,954 Indian students abroad, 13.83% (1,83,310) were in Canada, according to Ministry of External Affairs data.

Canada is 4th largest source of tourists in India (2021)

Canada accounted for 5.3% (80,437) of Foreign Tourist Arrivals (FTAs) in India in 2021; 72.6% of Canadian FTAs were members of the Indian diaspora. FTAs from Canada rose to 3,51,859 in the pre-pandemic year 2019 from 88,600 in 2001. Arrivals from Canada fell sharply post pandemic.

Bilateral trade is tiny; its balance is in India's favour

India's trade with Canada was $8,161.02 mn during FY 2022-23, just 0.70% of India's total trade of $1,165,000.88 mn. Canada was India's 35th biggest trading partner. The balance of trade is in India's favour; in 2022-23, India's exports to Canada stood at $4,109.74 mn, and imports at $4,051.29 mn.

HARIKISHAN SHARMA

भारत-कनाडा संबंधों में प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **राजनयिक प्रतिरक्षा का मुद्दा:**
  - कनाडा ने **वियना कन्वेंशन का** हवाला देते हुए भारत में बढ़ते तनाव के बीच अपने राजनयिक कर्मचारियों और नागरिकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया है।
  - इन चिंताओं के प्रति भारत की प्रतिक्रिया तथा कूटनीतिक मानदंडों का पालन, द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- **खालिस्तान मुद्दा:**
  - भारत खालिस्तानी अलगाववादी समूहों के प्रति कनाडा की सहिष्णुता को अपनी क्षेत्रीय अखंडता के लिये प्रत्यक्ष खतरा मानता है।
  - खालिस्तान के एक प्रमुख समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित भारतीय संलिप्तता की कनाडा द्वारा की जा रही जाँच से इस तनाव को और बढ़ावा मिला है। यह मुद्दा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक एवं राजनीतिक विश्वास को कमज़ोर कर रहा है।
- **आर्थिक एवं व्यापारिक बाधाएँ:**
  - इससे बढ़ती राजनीतिक दूरी के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) **को** अंतिम रूप देने के प्रयास बाधित हुए हैं।
  - दोनों के बीच द्विपक्षीय व्यापार **शिथिल हो गया है तथा** राजनयिक संकट के कारण भारत में कनाडाई निवेश के समक्ष अनिश्चितता बनी हुई है।
- **वीज़ा और आव्रजन मुद्दे:**
  - भारत में कनाडाई राजनयिक कर्मचारियों की संख्या में कमी के कारण,**वीज़ा के लिये आवेदन करने वाले भारतीयों को काफी विलंब का सामना करना पड़ रहा है।** इसका प्रभाव नए आवेदकों (विशेष रूप से कनाडाई संस्थानों में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों) पर पड़ रहा है।
- **भू-राजनीतिक निहितार्थ:**

- यदि आरोप सही साबित हुए तो **भारत-कनाडा के बीच कूटनीतिक** गतिरोध से G20 में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँच सकता है।
- कनाडा की **G7 सदस्यता** और **फाइव आईज़ गठबंधन के साथ संबंध अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जापान** सहित भारत के रणनीतिक साझेदारों हेतु स्थिति को जटिल बनाते हैं।
- **कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति** (जो कभी भारत को शामिल करने पर केंद्रित थी) इन राजनीतिक तनावों के कारण शिथिल हो गई है, जिससे इस क्षेत्र में सुरक्षा एवं आर्थिक मुद्दों पर सहयोग सीमित हो रहा है।

राजनयिक प्रतिरक्षा पर वियना कन्वेंशन क्या है?

- **वियना कन्वेंशन:**
  - **वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमेटिक रिलेशंस (1961)** के तहत स्वतंत्र देशों के बीच राजनयिक संबंधों के लिये रूपरेखा स्थापित की गई है। इसमें राजनयिक मिशनों एवं उनके कर्मियों के अधिकारों तथा ज़िम्मेदारियों को रेखांकित किया गया है।
  - **वियना कन्वेंशन ऑन कॉन्सुलर रिलेशंस (1963)** के तहत कॉन्सुलर अधिकारियों के कार्यों और विदेशी नागरिकों के साथ इनके व्यवहार को नियंत्रित किया जाता है।
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **राजनयिक उन्मुक्ति:** राजनयिकों को गिरफ्तारी और नज़रबंदी से उन्मुक्ति प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें मेजबान देश में कानूनी प्रक्रियाओं से सुरक्षा मिलती है।
  - **राजनयिक परिसर की अखंडता:** राजनयिक परिसर में बिना अनुमति के प्रवेश नहीं किया जा सकता, जिससे संचार की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित होती है।
  - **वाणिज्य दूतावास अधिकारियों की सुरक्षा:** ये अभिसमय यह सुनिश्चित करते हैं कि वाणिज्य दूतावास अधिकारी बिना किसी हस्तक्षेप के अपने कर्त्तव्यों का पालन कर सकें तथा विदेश में अपने नागरिकों को सहायता प्रदान कर सकें।

आगे की राह

- **खालिस्तान मुद्दे पर चर्चा:**
  - भारतीय प्रवासियों और **खालिस्तान अलगाववाद** से जुड़ी चिंताओं को हल करने के लिये दोनों सरकारों के बीच सक्रिय बातचीत आवश्यक है। इन संवेदनशील मुद्दों को हल करने में एक-दूसरे की संप्रभुता एवं विधिक ढाँचों का सम्मान करना भी आवश्यक है।
- **आर्थिक संबंधों को मज़बूत करना:**
  - प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढाँचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए **व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA)** को महत्त्व देना चाहिये।
  - पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसर प्राप्त करने के लिये **व्यापार और निवेश ढाँचे को** मज़बूत बनाना चाहिये।
- **भू-राजनीतिक हितों में संतुलन:**
  - **दोनों देशों को संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस** जैसी प्रमुख शक्तियों के साथ अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक संतुलित करने की आवश्यकता है।
  - इन गतिशीलताओं को नियंत्रित करने तथा संघर्षों के बिना **रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने** के लिये सतर्क दृष्टिकोण की आवश्यकता है।
- **बहुपक्षीय मंचों का लाभ उठाना:**
  - वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के लिये **G7, फाइव आईज़** जैसे बहुपक्षीय मंचों का उपयोग करना चाहिये, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत बनाने में योगदान मिल सके।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: विशेष रूप से सिख प्रवासी और खालिस्तानी अलगाववाद के संदर्भ में भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट हेतु ज़िम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिये। दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में किस प्रकार भूमिका निभा सकते हैं?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से किस एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं? (2020)

(a) अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
(b) ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूज़ीलैंड
(c) ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वियतनाम
(d) इंडोनेशिया, जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-canada-relations